Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पुल बह जाने से आमजन के साथ सुरक्षा एजेंसियों को हो रही परेशानी

कूलागाड पुल के बनने में अभी भी है एक सप्ताह से भी ज्यादा तक का समय

जिम्मेदार कौन

किसी भी सरकारी कर्मी को तैनात न किये जाने से गांव के ग्रामीणों में है खासा आक्रोश

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। कूलागाड में पुल बहने के कारण सीमांत के साठ से अधिक गांवों का वर्तमान में देश दुनिया से संपर्क कट गया है। बता दें कि कूलागाड में अब तक प्रशासन द्वारा किसी भी सरकारी कर्मी को तैनात न किये जाने से गांव के ग्रामीणों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। बीते पांच रोज पूर्व उच्च हिमालयी क्षेत्रों में लगातार जारी भारी बरसात के कारण कूलागाड का जलस्तर बढ़ने के कारण बीआरों का सीसी पुल भी बहकर काली नदी में समा गया।

मौके पर मौजूद एसएसबी, भारतीय सेना ग्रीफ की टीम ने आवाजाही के लिए अस्थायी पुल के तौर बिजली के खम्भों के सहारे ग्रामीणों को आवाजाही कराने के कोशिश कराई। वह भी दो दिन पूर्व ही जल स्तर में बढ़ोतरी के चलते नदी में समा गया।

तल्ला दारमा ,मल्ला दारमा , तल्ला मल्ला चौदास और व्यास घाटी के अभी भी ग्रामीणों को खासी परेशानी से जूझना पड़ रहा है। क्षेत्र के ग्रमीणों को पर्वतारोहण के क्षेत्र में कार्य कर संस्था सीबीटीएस जान हथेली पर रखकर लोगों को आवागमन में राहत पहुंचाने का कार्य कर रही है।

आलम यह है कि सेना के जवानों के घोड़ों के लिए रसद पूर्ति भी रस्सी के सहरे पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे है। दूसरी ओर कूलागाड में पुल के बह जाने से इलाके के ग्रामीणों के लिए जरूरती सामान की भारी किल्लत देखने को मिल रही है।

बीआरों को कूलागाड पुल के बनाने में अभी खासा एक सप्ताह से भी ज्यादा लंबा समय लगने के आसार बनने लगे है। कूलागाड पुल को बनाने के लिए ग्रीफ के उच्च अधिकारियों ने दावा किया है कि कूलागाड में वैली ब्रिज के निर्माण के लिए सामान पहुंचने की जानकारी दी है।

वही सुरक्षा ऐंजेसियों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। आलम यह है कि सुरक्षा ऐंजेंसियों को सूचनायें आदान प्रदान कराने में दिक्कतों से दो चार होना पड़ रहा है।

विज्ञप्ति

संख्या 311 / 21–11(2) / 2021–22 / पौड़ी दिनांक 09 जुलाई 2021

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मा0अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति के अनुपालन में जिला पंचायत पौड़ी की श्रीनगर स्थित रिक्त भूमि जो कि खाता संख्या 24 के खसरा न0 379 में 0.056 हे0 (560 वर्ग मी0) भूमि राजस्व अभिलेखों में जिला पंचायत के नाम दर्ज है। उक्त रिक्त भूमि को 10.00 रू0 प्रति वर्ग मीटर प्रतिमाह के हिसाब से अंकन 5600.00 (पांच हजार छःसौ रू0) रू0 तीन वर्ष के लिये दिये जाने हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का पक्का निर्माण कार्य नहीं किया जायेगा। इच्छुक बोलीदाता अपनी दरें सीलबन्द कोटेशन के माध्यम से दिनांक 19–07–2021 को 2:00 बजे दिन तक इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाना होगा। जो कि कोटेशनदाताओं के सम्मुख उसी दिन 3:00 बजे खोले जायेगे।

अध्यक्ष,
जिला पंचायत पौड़ी गढ़वाल।

जलविद्युत परियोजनाओं की पर्यावरणीय मंजूरी रद करने की याचिका खारिज

संवाददाता नैनीताल। हाईकोर्ट ने चमोली जिले में ऋषि गंगा और तपोवन–विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजनाओं के लिए वन और पर्यावरण मंजूरी रद्द करने और चमोली जिले में चिपको आंदोलन की नेतृत्वकर्ता गौरा देवी के रैणी गांव के पुनर्वास की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ता पर दस हजार रुपये जुर्माना लगाते हुए यह रकम अधिवक्ता कल्याण कोष में जमा करने का आदेश पारित किया है।

बुधवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आरएस चौहान व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ में रैणी गांव के समाजसेवी संग्राम सिंह की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एनटीपीसी के अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वास्तविक और ईमानदार इरादों से आश्वस्त नहीं था। उन्होंने कहा कि बहुत महत्व की ऐसी परियोजनाओं को केवल शिकायतों पर नहीं रोका जा सकता है।

याचिकाकर्ता सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपनी ईमानदारी दिखाने में विफल रहा है। जिसके बाद न्यायालय ने याचिकाकर्ता पर 10,000 रुपये अर्थदंड लगाते हुए याचिका को खारिज कर दिया है।

डॉ गुप्ता ने कहा कि तपोवन विष्णुगाड़ जलविद्युत परियोजना उत्तराखंड राज्य और एनटीपीसी के लिए अत्यधिक महत्व की है। प्रोजेक्ट हमेशा पर्यावरणीय मंजूरी के साथ काम करता है। पहाड़ियों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

तीर्थ नगरी में अवैध शराब और मादक पदार्थों की बिक्री रोकी जाए

संवाददाता ऋषिकेश। तीर्थ नगरी क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री के साथ अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ नगर के युवाओं ने कोतवाली पुलिस को ज्ञापन देकर असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मादक द्रव्य की बिक्री पर अंकुश नहीं लग पा रही है। कई युवा और किशोर नशे की चपेट में है। युवाओं का एक बुधवार को प्रतिनिधिमंडल कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिशुपाल सिंह नेगी से मिला। उन्हें ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया कि अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ हालांकि पुलिस अभियान चला रही है, लेकिन कई छोटे विक्रेता ऐसे हैं जो दुपहिया वाहनों में शराब की आपूर्ति कर रहे हैं। मादक द्रव्य की बिक्री पर अंकुश नहीं लग पा रही है। कई युवा और किशोर नशे की चपेट में है।

न्यूज डायरी

हरेला पर्व पर पौधरोपण के भावी संरक्षण की मांग

संवाददाता देहरादून। हरेला पर्व पर विगत वर्षो मे सामाजिक धार्मिक संगठनो आदि, जिसमे संयुक्त नागरिक संगठन के बुजुर्ग प्रतिनिधि भी शामिल थे,के द्वारा राज्य के अन्य विभागो के साथ मिलकर श्रमदान द्वारा लाखो की संख्या मे देहरादून मे गड्ढे खोदने तथा पौधरोपण किया गया था। जिम्मेदारी के अभाव मे लगभग दस प्रतिशत जीवित पौधौ को छोड़कर बाकी अकाल मृत्यु को प्राप्त हो चुके है। इस हरेला पर्व पर पौधरोपण के भावी संरक्षण हेतु संगठन मांग करता है कि निकटवर्ती क्षेत्रो मे गैरराजनीतिक जननिगरानी समीतियो का गठन करके इन्हे सम्बन्धित विभागो के समन्वय के साथ पर्यवेक्षण की भी जिम्मेदारी दी जानी जनहित मे होगी।

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का उद्घाटन

संवाददाता देहरादून। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रुड़की (यूईटीआर) ने लॉन्च के बाद छात्रों का प्रवेश आरम्भ कर दिया। सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, इस प्रीमियर इंस्टीट्यूट का उद्घाटन बेबी रानी मौर्य, राज्यपाल, उत्तराखंड की गरिमामयी उपस्थिति में जे.सी. जैन, चांसलर, यूईटीआर की ओर से किया गया।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से सीएम कार्यालय व कार्मिक का जिम्मा लिया वापस

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कार्यालय नए तेवर में ढल रहा है। सरकार ने बुधवार को तीन अधिकारियों में फेरबदल किया। मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े तीन पुराने चेहरे धामी की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से कार्मिक व सतर्कता विभाग के साथ ही अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी हटा दी गई है। अरुणेंद्र सिंह चौहान से भी मुख्यमंत्री के अपर सचिव का जिम्मा वापस लिया गया है।

मुख्यमंत्री धामी नौकरशाही में बदलाव को लेकर अपना रुख साफ कर चुके हैं। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने बड़ा फेरबदल कर मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे डा एसएस संधू को सौंपी। बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय से तीन पुराने अधिकारी हटा दिए गए। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से कार्मिक व सतर्कता जैसा अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग हटाया गया, लेकिन उनका वजन कम नहीं होने दिया गया है। सरकार ने उनके शेष विभाग यथावत रखते हुए उन्हें राज्य के तीनों ऊर्जा निगमों में ऊर्जा निगम, पारेषण निगम और जलविद्युत निगम का अध्यक्ष बनाया है। दूसरा बड़ा बदलाव कुमाऊं मंडलायुक्त अरविंद सिंह ह्यांकी को वापस सचिवालय लाकर किया गया है। शासन में लंबे समय तक महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभालते रहे और सहज स्वभाव के अधिकारियों में शुमार ह्यांकी को कार्मिक व सतर्कता सचिव की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही उन्हें मुख्य सचिव का स्टाफ अफसर भी नियुक्त किया गया है।

कुमाऊं मंडलायुक्त के साथ ही मुख्यमंत्री के सचिव का अतिरिक्त जिम्मा उनसे वापस लिया गया है। तीरथ टीम का हिस्सा रहे अपर सचिव अरुणेंद्र सिंह चौहान अब मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर सचिव नहीं रहेंगे। उनसे यह पदभार लिया गया है। उनके शेष सभी पदभार यथावत रखे गए हैं।

जावा ने 1971 के युद्ध में मिली जीत पर खाकी और मिडनाइट ग्रे रंग पेश किए

संवाददाता देहरादून। यह कैलेंडर पर दिखने वाली महज कोई संख्या या एक वर्ष नहीं है। 1971 एक गौरवशाली मील का पत्थर है, जो हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और वीरता से सुसज्जित है, जिसकी बदौलत एक राष्ट्र के रूप में भारत को इतिहास की सबसे उल्लेखनीय जीत मिली। इस साल 1971 की युद्ध जीत की 50वीं वर्षगांठ है और जावा मोटरसाइकिलें हमारे फॉरएवर हीरोज की वीरता को सम्मान देने के लिए सामने आई हैं। अपनी हैज टेग फॉरएवर हीरोज पहल को जारी रखते हुए, ब्रांड ने 1971 के युद्ध में मिली जीत की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अपने आधुनिक क्लासिक जावा के दो नए रंग पेश किए हैं। जो चीज इन मोटरसाइकिलों को खास बनाती है, वह है स्मारक प्रतीक, जो 1971 की जीत के प्रतीक लॉरेल माल्यार्पण के साथ प्रतिष्ठित भारतीय सेना के प्रतीक चिन्ह को गर्व से दर्शाता है।